बांथी भरसी | by Abhishek Sharma (Madhav)

जाणे कितने दिन पाछे आज बाबो मिलसी म्हाने बाबो मिलसी
देखता ही बाबो म्हाने बाथि भरसी

प्रेमियाँ सु प्रेम करणो बाबा को स्वभाव है
टाबरिया ने देख आवतो बाबो भी हर्षाव है
बिन टाबरा के सांवरा के कइयाँ सरसी
देखता ही बाबो म्हाने बाथि भरसी

सांवरियो भी तो तरसे है टाबरिया के प्यार ने
रोक ना पावे लेवण आवे यो मंदिर के बारणे
होसी धुंधला नज़ारो म्हारी आंख्या झरसी
देखता ही बाबो म्हाने बाथि भरसी

मांगे है विदाई जद कालजे को टुकड़ो
उतर सो जावे माधव बाप जी को मुखडो
म्हाने पाछे जाता देख अण की आंख्या भरसी
थाम लेसी हाथ ओ जु बाथि भरसी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%a5%e0%a5%80-%e0%a4%ad%e0%a4%b0%e0%a4%b8%e0%a5%80-by-abhishek-sharma-madhav/